Volume-7 (2026)
Special Issue-3 (Sept)
RESEARCH HUB
International Peer-Reviewed Multidisciplinary E-Journal
ISSN
2582-9173
Website : www.researchhub.org.in/research-hub !! Email : researchhubjournal@gmail.com

डिजिटल युग में महाविद्यालयीन छात्रों की पढ़ने की आदतें और पसंद: एक अध्ययन

डॉ. स्मिता गिरी
ग्रंथपाल
महिला महाविद्यालय, नागपूर.

Crossref DOI - https://doi.org/10.5281/zenodo.23592750

सार :

पढ़ना (Reading) हमारे मानसिक विकास, ज्ञान बढ़ाने और तनाव कम करने के लिए बेहद जरूरी है। छात्रों के लिए पढ़ना इसलिए भी बेहद जरूरी है,क्योंकि यह उनके मानसिक विकास के साथ ही शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास की भी नींव रखता है। डिजिटल युग में इंटरनेट, स्मार्टफोन, ई-बुक्स और पीडीएफ ने छात्रों की शिक्षा और पठन संस्कृति (Reading Culture) अर्थात छात्रों की पढ़ने की आदतों और प्राथमिकताओं को पूरी तरह बदल दिया। पारंपरिक किताबों की जगह डिजिटल स्क्रीन और सोशल मीडिया द्वारा शीघ्र प्राप्त होनेवाली जानकारी ने ले लिया है।इस बदलाव ने जहां एक तरफ ज्ञान का दायरा बढ़ाकर शिक्षा को बेहद आसान बनाया है, वहीं दूसरी तरफ ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और पारंपरिक रूप से पढ़ने की आदतों को प्रभावित भी किया है। इस अध्ययन में 'डिजिटल युग में महाविद्यालयीन छात्रों की पढ़ने की आदतें और पसंद:एक अध्ययन' विषय पर एक सर्वेक्षण करके छात्रों की पढ़ने की आदतों और पसंद जैसे कि पढ़ने का उद्देश्य, पढ़ने का स्वरूप, डिजिटल फॉर्मेट में पड़ते समय आनेवाली बाधाएँ इत्यादि को समझने और उसका विश्लेषण करने की कोशिश की गई है।

प्रस्तावना :

पढ़ना(Reading) हमारे मानसिक विकास, ज्ञान बढ़ाने और तनाव कम करने के लिए बेहद जरूरी है।छात्रों के लिए पढ़ना इसलिए भी बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उनके मानसिक विकास के साथ ही शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास की भी नींव रखता है। नियमित रूप से किताबें पढ़ने से छात्रों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं मिलता, बल्कि उनका सोचने का नजरिया भी बदलता है। पढ़ने से छात्रों की सोचने-समझने की क्षमता में सुधार और तनाव का स्तर कम होने में मदद मिलती है।डिजिटल युग (इंटरनेट, स्मार्टफोन, ई-बुक्स, पीडीएफ)का आज शिक्षा और पठन संस्कृति पर प्रभाव पड़ा है| आज पारंपरिक(मुद्रित/प्रिंट) किताबों से डिजिटल स्क्रीन की ओर छात्रों का रुझान बढ़ता हुआ हम देख रहे है ।डिजिटल युग ने छात्रों की पढ़ने की,पसंद और आदतों को भी पूरी तरह बदल दिया है| छात्रों की अब जल्द से जल्द जानकारी जुटाने की आदत बढ़ गई है| आज भौतिक किताबो की जगह स्क्रीन ने ले ली है,जिससे स्क्रीन पर पढ़ने से कई बार तथ्यों की गहरी समझ और याद रखने की क्षमता पर असर पड़ता है। आज के छात्र किस से प्रकार पढ़ रहे हैं, तथा प्रिंट मीडिया(भौतिक किताबें, पत्रिकाएं)और डिजिटल मीडिया (ई-रीडर, मोबाइल, लैपटॉप) में छात्रों की पसंद क्या है इसकी जानकारी होना जरूरी है|इस विषय को ध्यान में रखते हुए वर्तमान अध्ययन

में, शोधकर्ता ने सर्वेक्षण पद्धति के माध्यम से छात्रों की पढ़ने की आदतों और पसंद को समझने और उसका विश्लेषण करने की कोशिश की है।यह वर्तमान समय के लिए प्रासंगिक
है।

अध्ययन के उद्देश्य :

- यह जानना कि क्या छात्र पढ़ने के लिए प्रिंट मीडिया के अलावा अन्य माध्यमों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं?
- यह जानना कि छात्रों को पढ़ने के लिए कौन सा स्वरुप(इलेक्ट्रॉनिक या प्रिंट)अधिक सुविधाजनक लगता है?
- यह पता लगाने के लिए कि क्या छात्र पढ़ने का आनंद लेने के लिए सोशल मीडिया साइट का उपयोग करते हैं?
- यह जानना की क्या छात्रों को प्रिंट में पढ़ने के मुकाबले डिजिटल तरीके से पढ़ते समय टेक्स्ट पर फोकस करना अर्थात ध्यान केंद्रित करना ज़्यादा मुश्किल लगता है?

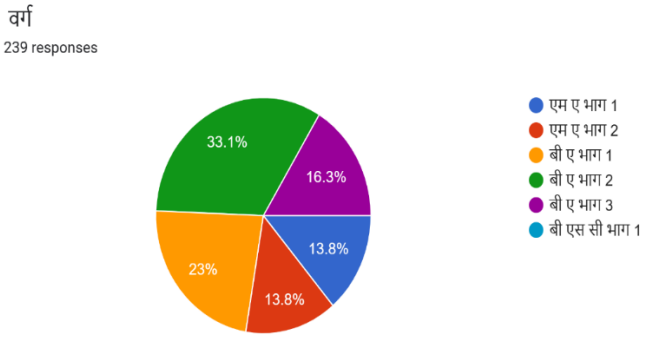
शोध पद्धति :

अध्ययन के लिए, महिला महाविद्यालय नागपुर के सत्र 2025-26 में प्रवेशित छात्राओं में से जो छात्राए पुस्तकालय के वाचन कक्ष की उपयोगकर्ता थी उनका चयन सर्वेक्षण हेतु किया गया।अध्ययन में डिजिटल युग में छात्राओं की पढ़ने की आदतों से जुड़े अलग-अलग पहलुओ का अध्ययन करने की कोशिश की गई है।सर्वे करने के लिए Google फ़ॉर्म का इस्तेमाल करके 10 प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार कर जानकारी इकट्ठा की गई। मराठी माध्यम की छात्राएँ होने की वजह से प्रश्नावली मराठी भाषा में तैयार की गयी|प्रश्नावली में छात्रों की कुछ सामान्य जानकारी क्लास, नाम इत्यादि के अलावा अन्य प्रश्न मुख्य रूप से वस्तुनिष्ठ प्रश्न थे और कुछ प्रश्नों में कई विकल्पों में से चुनने की सुविधा थी। छात्रों से विकल्पों का इस्तेमाल करके प्रश्नावली भरने के लिए कहा गया।

विश्लेषणात्मक अध्ययन :

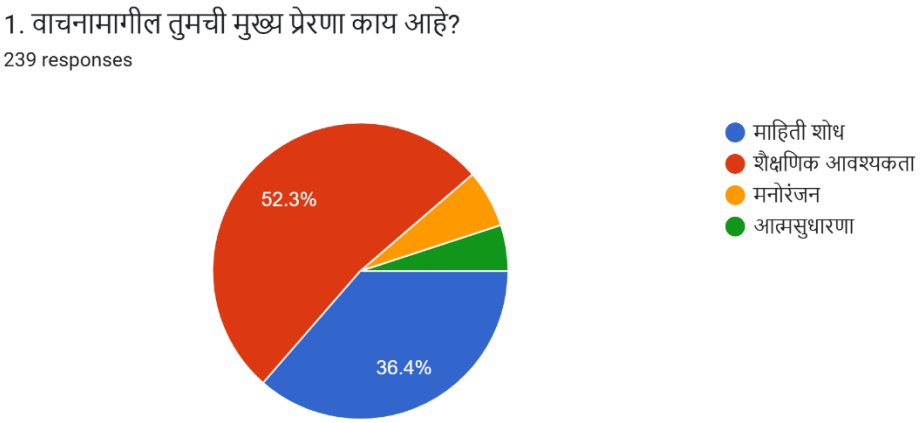
महिला महाविद्यालय नागपुर, के कुल 239 छात्राओं ने सर्वे में हिस्सा लिया और छात्राओं द्वारा प्राप्त की गयी, भरी हुई प्रश्नावली के मिले हुए जवाबो का विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन का विश्लेषण नीचे दिया गया है:

Graph 1. About the Class: (कक्षा के बारे में)



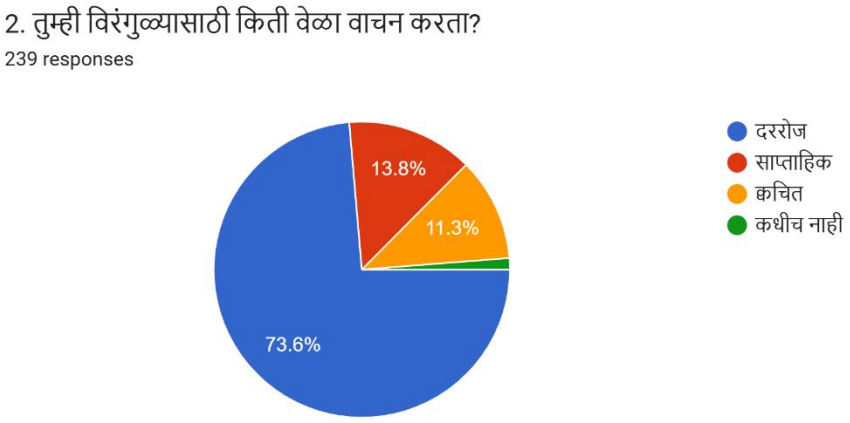
ऊपर दिया गया आलेख क्र. 1 दिखाता है कि सर्वे में प्रतिभागी महाविद्यालय की 79 छात्राऐं (33.1.%) बी ए भाग 2 से हैं, जबकि 55 छात्राऐं (23%) बी ए भाग 1, 33 छात्राऐं (13.8%) एम ए भाग1,33 छात्राऐं (13.8%) एम ए भाग2 तथा 39 छात्राऐं(16.3%) छात्राऐं बी ए भाग 3 से है|

Graph 2 : Motivations Behind Reading (पढ़ने के पीछे का मुख्य उद्देश्य/प्रेरणा)



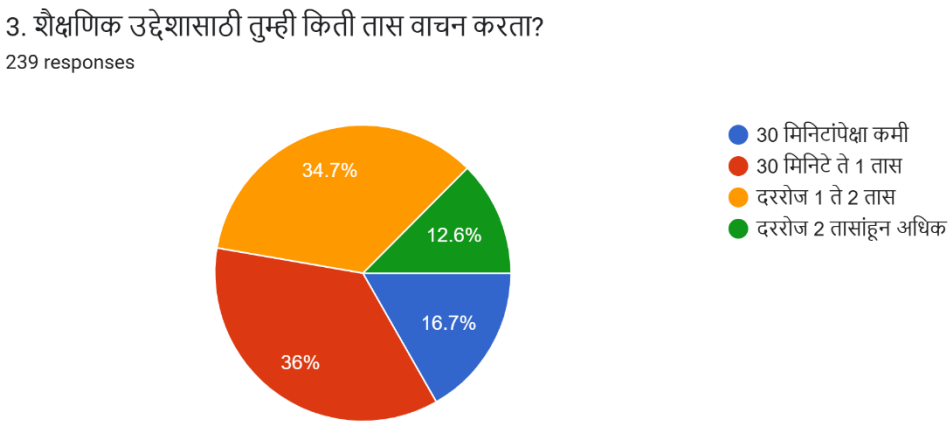
ऊपर दिए गए आलेख क्र. 2 से पता चलता है कि ज़्यादातर छात्राऐं, यानी 125 छात्राऐं (52.3%) शैक्षिक आवश्यकताए के लिए,87 छात्राऐं (36.4%) सूचनाओं का खोज करने के लिए, जबकि 15 छात्राऐं (6.3%) मनोरंजन, तथा 12 छात्राऐं (5%) आत्मसुधारणा के लिए पढ़ना पसंद करते है|

Graph 3 : About time spend on reading for Leisure (फुर्सत के समय में पढ़ने में बिताए जाने वाल समय के बारे में)



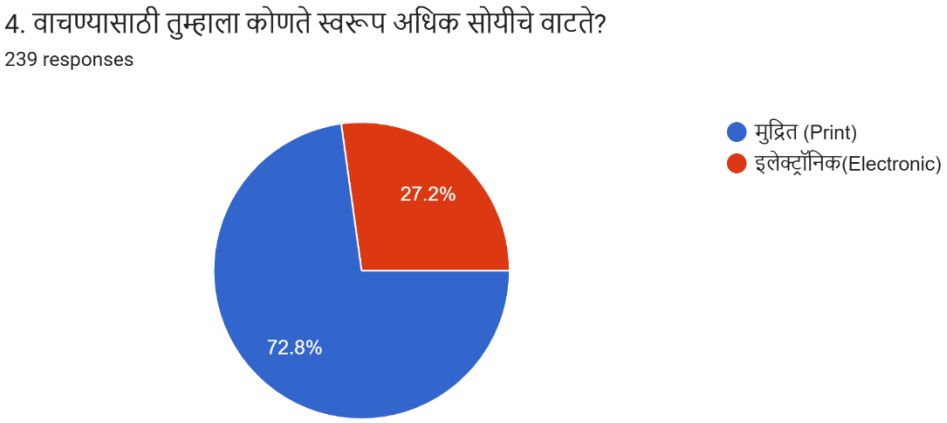
ऊपर दिया गया आलेख क्र. 3 दर्शाता है कि 176 छात्राऐं (73.6%) फुर्सत के समय में मनोरंजन के लिए रोज़ाना पढ़ती हैं, 33 छात्राऐं (13.8%) हफ़्ते में एक बार पढ़तीहैं, 27 छात्राऐं (11.3%) क्वचित पढ़ती हैं, जबकि 3 छात्राऐं (1.3%) फुर्सत के समय में मनोरंजन के लिए कभी नहीं पढ़ती हैं।

Graph 4 : About time spent on reading for academic purpose (शैक्षिक उद्देश्य हेतु से पढ़ने में बिताए गए समय के बारे में)



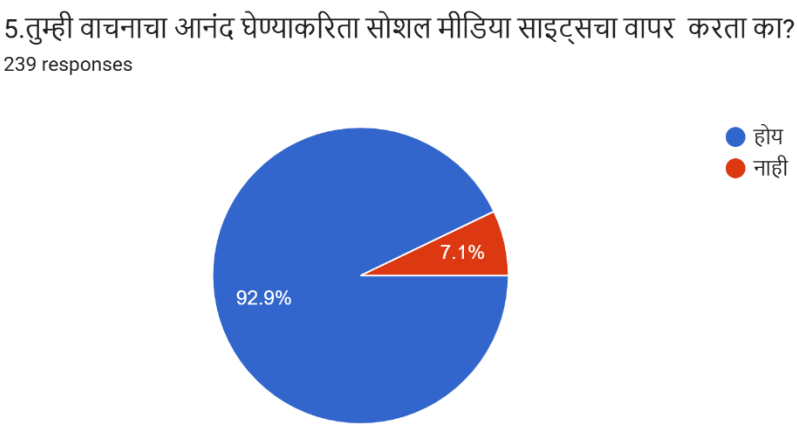
ऊपर दिया गया आलेख क्र. 4 दर्शाता है कि शैक्षिक उद्देश्य हेतु, 86 छात्राऐं (36%) हर दिन 30 मिनट से 1 घंटे तक पढ़ती हैं, 83 छात्राऐं (34.7%) 1 से 2 घंटे तक पढ़ती हैं, 30 छात्राऐं (12.6%) हर दिन 2 घंटे से ज़्यादा पढ़ती हैं और 40 छात्राऐं (16.7%) 30 मिनट से कम समय तक पढ़ती हैं।

Graph 5 : About the Convenient of Reading Format (पढ़ने के सुविधाजनक फ़ॉर्मैट के बारे में)



आलेख क्र. 5 दर्शाता है कि 174 छात्राओं को(72.8%) पढ़ने के लिए प्रिंट फ़ॉर्मैट अधिक सुविधाजनक लगता है, जबकि केवल65 छात्राओं को(27.2%) पढ़ने के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अधिक सुविधाजनक लगता हैं।

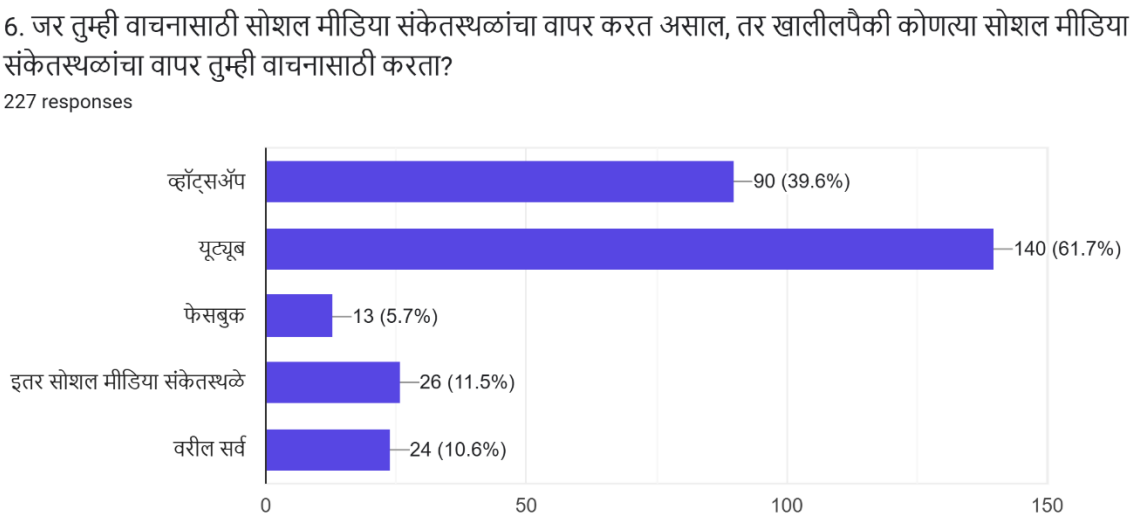
Graph 6 : About the Use of Social Meida Sites for Reading (पढ़ने के लिए सोशल मीडिया साइट्स



के इस्तेमाल के बारे में)

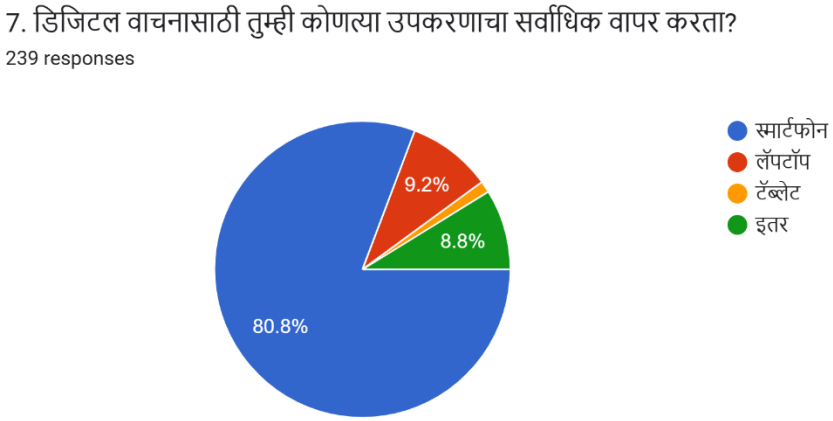
आलेख क्र. 6 दर्शाता है कि ज़्यादातर सहभागी 222(92.9%) पढ़ने के लिए सोशल मीडिया साइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि सिर्फ़ 17 सहभागीयों (7.1%) ने कहा कि वे पढ़ने के लिए सोशल मीडिया साइट्स का इस्तेमाल नहीं करते हैं|

Graph 7: About the Use of Type of Social Media Sites (सोशल मीडिया साइट्स के प्रकारों के इस्तेमाल के बारे में)



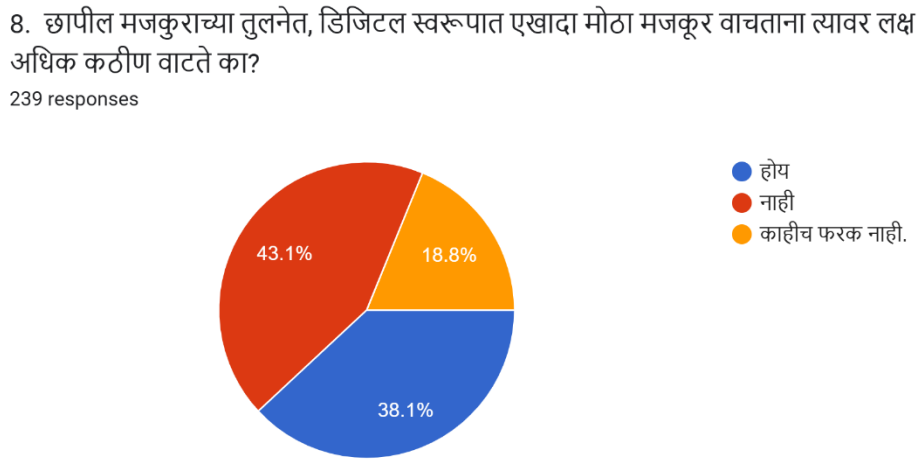
आलेख क्र. 7 दर्शाता है कि ज़्यादातर छात्राऐं पढ़ने के लिए WhatsApp, YouTube, Facebook और दूसरे सोशल मीडिया साइट्स का इस्तेमाल करती हैं। सहभागी 239 छात्राओं में से 140 छात्राऐं (61.7%) YouTube, 90 छात्राऐं (39.6%) WhatsApp, 13 छात्राऐं(5.7%) Facebook और 26 छात्राऐं (11.5%) पढ़ने के लिए दूसरे सोशल मीडिया साइट्स का इस्तेमाल करती हैं

Graph 8: About the Use of Device (डिवाइस का इस्तेमाल)



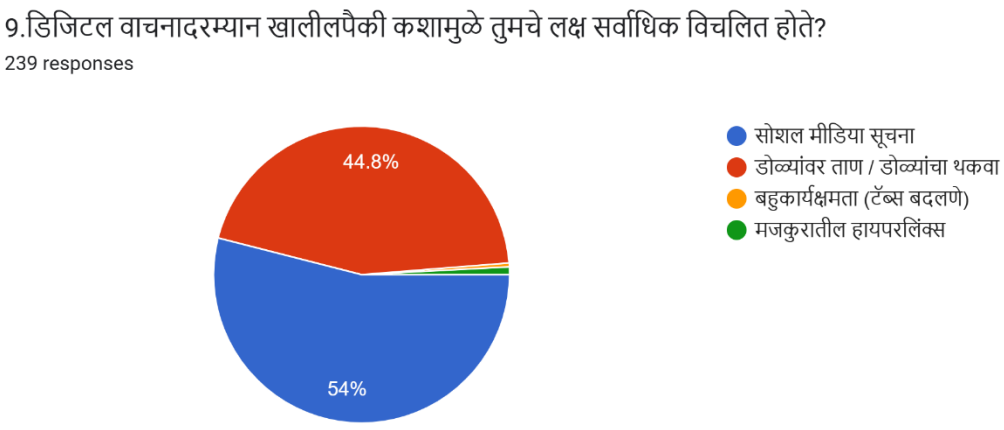
छात्राऐं डिजिटल रीडिंग के लिए स्मार्टफोन,लैपटॉप, टेबलेट, तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करती है|आलेख क्र. 8 दर्शाता है कि ज़्यादातर छात्राऐं 193(80.8%) डिजिटल पढ़ने के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करती है, जबकि 22(9.2%) छात्राऐं लैपटॉप का तथा 21(8.8%) अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करती है|

Graph 9. Regarding the difficulties in maintaining focus while reading digital text (डिजिटल टेक्स्ट पढ़ते समय ध्यान बनाए रखने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में)



आलेख क्र. 9 दर्शाता है कि 91(38.1%) छात्राओं को प्रिंटेड टेक्स्ट की तुलना में डिजिटल फ़ॉर्मेट में बड़ा टेक्स्ट पढ़ते समय ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है,103(43.1%) छात्राओं को ध्यान केंद्रित करने में किसी भी प्रकार की मुश्किल नहीं होती है,जबकि 45(18.8%) छात्राओं को प्रिंटेड टेक्स्ट की तुलना में डिजिटल फ़ॉर्मेट पढ़ते समय ध्यान केंद्रित करने करने में कोई फर्क नहीं पड़ता है|

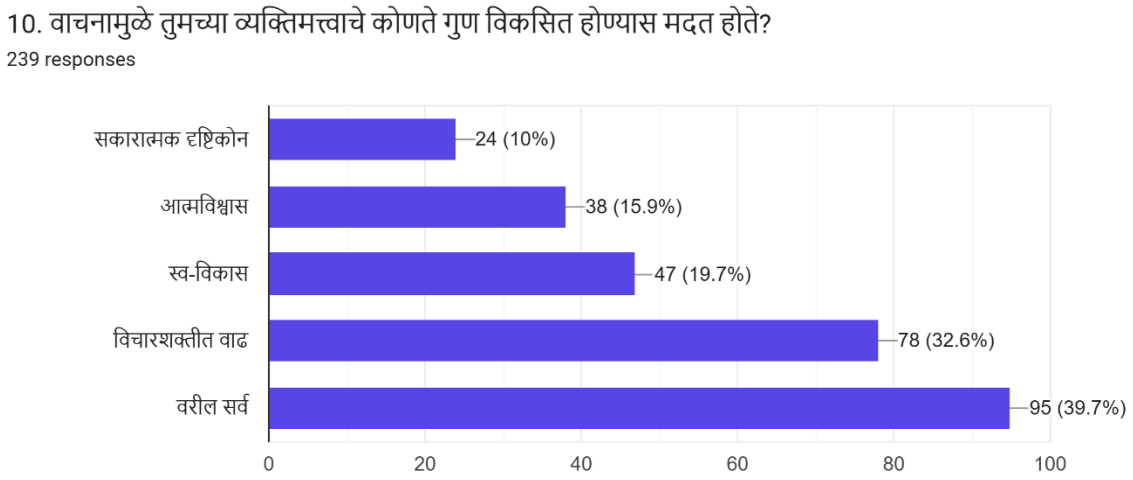
Graph 10. Regarding the difficulties encountered while reading text in digital format (डिजिटल फ़ॉर्मेट में टेक्स्ट पढ़ते समय आने वाली मुश्किलों के बारे में)



आलेख क्र. 10 दर्शाता है कि 129(54%) छात्राओं का डिजिटल फ़ॉर्मेट में मजकुर पढ़ते समय सबसे ज्यादा सोशल मीडिया नोटिफिकेशन के कारण ध्यान भटकता है,107(44.8%) छात्राओं को आँखों पर ज़ोर पड़ना महसूस होता है तथा लंबे समय तक स्क्रीन पर पढ़ने से उन्हें आँखों में थकान महसूस होती है,2(0.8%)छात्राओं को डिजिटल फ़ॉर्मेट में मजकुर पढ़ते समय बीच में आने वाले लिंक या विज्ञापन उनके ध्यान को तोड़ देते हैं ऐसा प्रतीत

होता है,जबकि सिर्फ 1(0.4 %)छात्राओं को उनकी मल्टीटास्किंग की आदत की वजह से एक साथ कई टैब या काम खुले रखने से उनका दिमाग भ्रमित हो जाता है तथा वे असमंजस में पड़ जाते है|

Graph 11. About the personality development through reading (पढ़ने से व्यक्तित्व का विकास)



आलेख क्र. 11 दर्शाता है कि ज़्यादातर छात्राओं 95(39.7%) का कहना है कि पढ़ने से उनका स्व-विकास,आत्मविश्वास, सोचने की क्षमता तथा सकारात्मक नज़रिया बढ़ता है|वहीं,78 छात्राओं (32.6%) का कहना है कि पढ़ने से उनके सोचने की क्षमता में वृद्धि होती है,47 छात्राओं (19.7%) का कहना है कि पढ़ने से उनका स्व-विकास होता है तथा 38(15.9%)छात्राओं का कहना है कि पढ़ने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, जबकि 24(10%) छात्राओं का कहना है कि पढ़ने से उनका सकारात्मक नज़रिया बढ़ता है|

अध्ययन के निष्कर्ष :

छात्राओं की राय जानने के लिए 10 प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार की गयी थी। महिला महाविद्यालय नागपुर के 239 छात्राओं ने इस सर्वे में हिस्सा लिया और Google फ़ॉर्म के जरिये अपनी प्रतिक्रियाएँ दर्ज कीं। सर्वे के तथ्य और निष्कर्ष इस प्रकार हैं:-

1. सर्वे में सहभागी कुल 239 छात्राओं में से 79 छात्राऐं बी ए भाग 2, 55 छात्राऐं बी ए भाग 1, 33 छात्राऐं एम ए भाग1, 33 छात्राऐं एम ए भाग 2 तथा 39 छात्राऐं बी ए भाग 3 की छात्राऐं थी|
2. पढ़ने के मकसद के बारे में पूछे जाने पर ज़्यादातर छात्राओं,52.3% छात्राओं ने कहा कि वे शैक्षिक आवश्यकताए के लिए पढ़ना पसंद करती है,36.4% छात्राऐं सुचना की जरूरत पड़ने पर सूचनाओं का खोज करने के लिए, 6.3% मनोरंजन के लिए, तथा 5% छात्राओं ने कहा कि वे आत्मसुधारणा के लिए पढ़ना पसंद करती है|
3. यह पूछे जाने पर कि क्या आप फुर्सत के समय में पढ़ना पसंद करते हैं? ,73.6% छात्राओं ने कहा कि वे

फुर्सत के समय में मनोरंजन के लिए रोज़ाना पढ़ती हैं, 13.8% छात्राऐं हफ़्ते में एक बार, 11.3% छात्राऐं क्वचित पढ़ती हैं, जबकि 1.3% छात्राओं ने कहा कि वे फुर्सत के समय में मनोरंजन के लिए कभी नहीं पढ़ती है

4. सर्वे से पता चलता है कि शैक्षिक उद्देश्य की पूर्ति हेतु 36% छात्राऐं रोज़ाना 30 मिनट से1 घंटा समय पढ़ने में बिताती हैं, 34.7% छात्राऐं रोजाना 1 से 2 घंटे तक, 12.6% छात्राऐं रोज़ाना 2 घंटे से ज़्यादा समय पढ़ने में बिताती हैं और16.7% छात्राऐं 30 मिनट से कम समय पढ़ने में बिताती हैं।
5. पढ़ने के लिए पसंद के फ़ॉर्मेट के बारे में पूछे जाने पर 72.8% छात्राओं ने कहा कि उन्हें पढ़ने के लिए प्रिंट फ़ॉर्मैट अधिक सुविधाजनक लगता है, जबकि केवल 27.2% छात्राओं ने कहा कि उन्हें पढ़ने के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अधिक सुविधाजनक लगता हैं।
6. सोशल मीडिया के इस्तेमाल के बारे में पूछे जाने पर, ज़्यादातर छात्राओं 92.9% ने कहा कि पढ़ने के लिए सोशल मीडिया साइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि सिर्फ़ 7.1% छात्राओं ने कहा कि वे पढ़ने के लिए सोशल मीडिया साइट्स का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं।
7. किस तरह के सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, इस बारे में पूछे जाने पर 140 छात्राओं ने कहा कि वे पढ़ने के लिए YouTube का इस्तेमाल करती हैं,90 छात्राऐं WhatsApp का इस्तेमाल करती हैं, 13 छात्राऐं Facebook का और 26 छात्राऐं पढ़ने के लिए दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल करती हैं।
8. सर्वे से पता चलता है कि ज़्यादातर छात्राऐं 88.8% डिजिटल स्वरूप का मजकूर पढ़ने के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करती है, जबकि 9.2% छात्राऐं लैपटॉप का तथा 8.8% छात्राऐं अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करती है|
9. यह पूछे जाने पर की प्रिंटेड टेक्स्ट की तुलना में डिजिटल टेक्स्ट पढ़ते समय क्या आपको इस पर ध्यान केंद्रित करना अधिक कठिन लगता है? 38.1% छात्राओं ने कहा कि उन्हें प्रिंटेड टेक्स्ट की तुलना में डिजिटल फ़ॉर्मेट में बड़ा टेक्स्ट पढ़ते समय ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है,43.1% छात्राओं ने कहा कि उन्हें ध्यान केंद्रित करने करने में किसी भी प्रकार की मुश्किल नहीं होती है जबकि18.8 % छात्राओं ने कहा कि उन्हें प्रिंटेड टेक्स्ट की तुलना में डिजिटल फ़ॉर्मेट पढ़ते समय ध्यान केंद्रित करने करने में कोई फर्क नहीं पड़ता है|
10. यह पूछे जाने पर कि डिजिटल रीडिंग के दौरान कौन सी चीज़ आपका ध्यान भटकाती है? तो 54% छात्राओं ने कहा कि डिजिटल फ़ॉर्मेट में मजकुर पढ़ते समय सबसे ज्यादा सोशल मीडिया नोटिफिकेशन के कारण उनका ध्यान भटकता है, 44.8% छात्राओं ने कहा कि उनके आँखो पर जोर पड़ता है तथा लंबे समय तक स्क्रीन पर पढ़ने से उन्हें आँखों में थकान महसूस होती है| 0.8% छात्राओं ने कहा कि डिजिटल फ़ॉर्मेट में मजकुर पढ़ते समय बीच में आने वाले लिंक या विज्ञापन उनके ध्यान को तोड़ देते हैं, जबकि सिर्फ 0.4% छात्राओं ने कहा कि उनकी मल्टीटास्किंग की आदत की वजह से एक साथ कई टैब या काम खुले रखने से उनका दिमाग भ्रमित हो जाता है तथा वे असमंजस में पड़ जाते है|

11. जब पूछा गया कि पढ़ने से कौन से गुण आपके व्यक्तित्व को बेहतर बनाने में मदद करते हैं? ज़्यादातर छात्राओं 95(39.7%) का कहना है कि पढ़ने से उनका स्व-विकास,आत्मविश्वास, सोचने की क्षमता तथा सकारात्मक नज़रिया बढ़ता है| वहीं,78(32.6%) छात्राओं का कहना है कि पढ़ने से उनके सोचने की क्षमता में वृद्धि होती है, 47(19.7%) छात्राओं ने कहा कि पढ़ने से उनका स्व-विकास होता है तथा 38(15.9 %) छात्राओं ने कहा कि पढ़ने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है जबकि 24(10%) छात्राओं का कहना है कि पढ़ने से उनका सकारात्मक नज़रिया बढ़ता है।

निष्कर्ष :

डिजिटल युग में महाविद्यालयीन छात्रों की पढ़ने की आदतें और पसंद से जुड़े रुझानों को जानने की कोशिश एक सर्वे द्वारा की गई|आज छात्र सादा टेक्स्ट पढ़ने के साथ ही स्मार्टफोन, टेबलेट तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के द्वारा डिजिटल कंटेंट भी पढ़ रहे है,परन्तु सर्वे के नतीजों से पता चला कि डिजिटल रीडिंग के दौरान सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन के कारण उनकी पढ़ाई में बाधा आती है तथा लगातार स्क्रीन देखने से सहभागी छात्राओं के आँखों में तनाव व थकान महसूस होती है| सर्वे से पता चलता है कि ज्यादातर छात्राओं प्रिंट साहित्य पढ़ना अधिक सुविधाजनक लगता है|डिजिटल युग ने छात्रों को जानकारी का एक विशाल समंदर तो दिया है,लेकिन इससे उनकी गहरी समझ की आदत को प्रभावित किया है|आज के छात्रों के लिए सबसे बड़ी चुनौती डिजिटल संसाधनों का सही उपयोग सचेत होकर करते हुए अपने ध्यान को केंद्रित रखना जरूरी है |

संदर्भ :

- नरगुंदे, आर. (२०१३). *ग्रंथालय आणि सामाजिक विकास*.युनिव्हर्सल प्रकाशन.
- पाटिल,एस.,पाटिल,वि.(२०२३).*आधुनिक ग्रंथालय आणि त्यांचे बदलते स्वरूप*. अथर्व पब्लिकेशन.
- Dayang, A. A.Y. (2021). Reading Habits Among Students in the Digital Era:Changes of Trends and Behaviours. *Journal of Academic Library Management1(1),*.https://www.researchgate.net/publication/353238352_Reading_Habits_Among_Students_in_the_Digital_Era_Changes_of_Trends_and_Behaviours
- https://www.drishtiias.com/hindi/blog/new-generation-and-reading-habits-integrating-digital-age-with-literature